International Journal of Humanities, Commerce and Education
Volume 2 | Issue 5 | May 2026 | ISSN: 3108-0456 (Online)
Available online at: https://ijhce.com/
DOI: https://doi.org/10.59828/ijhce.v2i5.52

माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षणिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया का प्रभावः एक समीक्षात्मक अध्ययन

अनुभव कुमार[1], डॉ. सुनीलिमा[2]
[1]शोध छात्र, बी.एड. विभाग, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
[1]Email: anu8765067246@gmail.com
[2]सहायक प्रोफेसर, बी.एड. विभाग, श्री नारायण गर्ल्स (पी-जी) कॉलेज, उन्नाव
[2]Email: sunilimaanand@gmail.com

Received: 01 April 2026 | **Accepted:** 11 April 2026 | **Published:** 18 May 2026

Abstract (सारांश)

सोशल मीडिया का उपयोग आज के युग में विद्यार्थियों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस शोध पत्र का उद्देश्य विभिन्न शोध पत्रों और शैक्षिक साहित्य की समीक्षा के माध्यम से यह समझना है कि सोशल मीडिया का माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों पर क्या प्रभाव पड़ता है। अध्ययन में यह पाया गया कि सोशल मीडिया का प्रभाव द्विध्रुवीय है—यह सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रकार के प्रभाव डाल सकता है। सही दिशा में और सीमित समय के लिए सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षिक प्रगति में सहायक हो सकता है, जबकि इसका अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग छात्रों के ध्यान को भंग करता है और उनके शैक्षिक प्रदर्शन में गिरावट ला सकता है। इस अध्ययन में सोशल मीडिया के प्रभावों के बारे में संतुलित दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया है, जिसमें इसके उपयोग की शर्तों और संभावित लाभों एवं हानियों का विश्लेषण किया गया है।

प्रमुख शब्द: *सोशल मीडिया, माध्यमिक स्तर, शैक्षिक प्रदर्शन, शैक्षिक उपलब्धियाँ, द्विध्रुवीय, शैक्षिक प्रगति।*

प्रस्तावना

आज का युग डिजिटल क्रांति का है, जहां सूचना और प्रौद्योगिकी ने समाज के हर क्षेत्र को व्यापक रूप से प्रभावित किया है। इनमें से एक सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र सोशल मीडिया है। इंटरनेट और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग ने सोशल मीडिया को न केवल संवाद का माध्यम बनाया है, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में भी इसका उपयोग बढ़ा है। माध्यमिक स्तर के छात्र, जो अपने जीवन के संवेदनशील और निर्णायक चरण में होते हैं, सोशल मीडिया के प्रभाव से अछूते नहीं हैं। यह प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों हो सकता है। इस शोध का मुख्य उद्देश्य माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया के प्रभाव को समझना और उसके सकारात्मक उपयोग की संभावनाओं का अध्ययन करना है।

सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म, जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप और ट्विटर, छात्रों के जीवन में गहराई से शामिल हो चुके हैं। इनके माध्यम से शैक्षणिक सामग्री, वीडियो ट्यूटोरियल, और ऑनलाइन समुदायों तक छात्रों की पहुंच आसान हो गई है। उदाहरण के लिए, यूट्यूब पर उपलब्ध शैक्षणिक वीडियो छात्रों को कठिन विषयों को सरल तरीके से समझने में मदद कर सकते हैं। शोध बताते हैं कि उचित दिशा में सोशल मीडिया का उपयोग छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बना सकता है।

सोशल मीडिया का अत्यधिक और अनुचित उपयोग छात्रों के लिए कई समस्याएं पैदा कर सकता है। माध्यमिक स्तर के छात्र अक्सर मनोरंजन के अनगिनत विकल्पों में उलझकर सोशल मीडिया पर अत्यधिक समय बिताते हैं, जिससे उनके शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट आती है। शोध से यह स्पष्ट हुआ है कि सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग छात्रों की एकाग्रता और उत्पादकता को प्रभावित करता है। इसके अलावा, फेक न्यूज और भ्रामक जानकारी के कारण छात्रों को सही और सटीक जानकारी तक पहुंचने में मुश्किलें होती हैं।

साइबरबुलिंग, अनुचित सामग्री, और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे भी सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों में शामिल हैं, जो छात्रों के आत्म–विश्वास और मानसिक संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। इन नकारात्मक प्रभावों के बावजूद, यदि सोशल मीडिया का उपयोग सही दिशा में किया

This is an open access article under the Creative Commons Attribution-Non-Commercial 4.0 International License.
© The Author(s) 2026. IJHCE Published by Surya Multidisciplinary Publication.

जाए, तो यह एक प्रभावी शैक्षणिक उपकरण बन सकता है। शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद को प्रोत्साहित करने, शैक्षिक सामग्री तक पहुंच बढ़ाने और सीखने की प्रक्रिया को अधिक रोचक और सहभागात्मक बनाने में सोशल मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

शोध की आवश्यकता और महत्व

इस शोध की आवश्यकता इसलिए महसूस की गई क्योंकि सोशल मीडिया के प्रभाव के संबंध में विभिन्न अध्ययनों के निष्कर्ष अक्सर परस्पर विरोधी होते हैं। कुछ शोध इसे शैक्षणिक सुधार का साधन मानते हैं, जबकि अन्य इसे छात्रों की शैक्षणिक यात्रा में एक बाधा के रूप में देखते हैं। इस विरोधाभास को समझने और माध्यमिक स्तर के छात्रों पर सोशल मीडिया के समग्र प्रभाव का विश्लेषण करने के लिए इस अध्ययन का आयोजन किया गया है।

शोध के उद्देश्य

1. सोशल मीडिया के उपयोग तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन करना।
2. सोशल मीडिया के उपयोग का शैक्षणिक उपलब्धियों पर पढ़ने वाले सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव का अध्ययन।
3. सोशल मीडिया उपयोग तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाना।

शोध प्रश्न

1. सोशल मीडिया उपयोग माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करता है?
2. सोशल मीडिया का शैक्षणिक उपलब्धियों पर क्या सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव हैं?
3. कौन– कौन से कारक सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध को प्रभावित करते हैं?

शोध प्रक्रिया एवं समंको का संकलनः

इस शोध पत्र में विभिन्न स्रोतों से प्राप्त जानकारी और द्वितीयक आंकड़ों का उपयोग किया गया है, जिनमें संदर्भ ग्रंथ, प्रकाशित लेख, शोधपत्र, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ आदि शामिल हैं। वर्तमान अध्ययन मुख्यतः सरकारी रिपोर्टों और साहित्य से संकलित द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है। डेटा विश्लेषण के लिए विभिन्न स्तरों पर नामांकन से संबंधित आंकड़ों का उपयोग किया गया है। ये आंकड़े आधिकारिक दीक्षा पोर्टल, SWAYAM, शिक्षा के लिए राष्ट्रीय डिजिटल अवसंरचना (NCERT), PM eVidya पहल (डिजिटल इंडिया अभियान), NEP 2020 सूचना शिक्षा मंत्रालय की वेबसाइटों पर प्रकाशित तथ्यों से संकलित किए गए हैं।

साहित्य समीक्षा

कुमार, अंकित (2019) ने एक अध्ययन किया जिसका उद्देश्य माध्यमिक स्तर के शिक्षकों में आधुनिक संचार माध्यमों के प्रति जागरूकता और शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उनके व्यावहारिक प्रयोग का पता लगाना था। इस लिए बनारस के न्यादर्श विधि का चयन करके दस–दस विद्यालयों के कुल 430 शिक्षकों का चयन किया गया। अध्ययन में शिक्षकों की जागरूकता प्रश्नावली एवं व्यावहारिक प्रयोग मापनी का प्रयोग किया गया। निष्कर्ष में पाया गया कि शिक्षक संचार तथा तकनीकी के तीव्र परिवर्तन के दौरान भी आधुनिक संचार माध्यमों के प्रति जागरूकता रखते हैं और शिक्षण अधिगम में उनका प्रयोग करते हैं। इसके अलावा यह भी स्पष्ट हुआ कि माध्यमिक स्तर के शिक्षक शिक्षिकाओं की अपेक्षा अधिक आधुनिक संचार माध्यमों का प्रयोग करते हैं।

शिवकुमार, आर. (2020). ने एक अध्ययन में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर ''सोशल मीडिया के प्रभाव'' का अध्ययन किया। सोशल मीडिया का उपयोग स्कूली उम्र के छात्र व्यापक रूप से कर रहे हैं जिससे उनके शैक्षणिक जीवन पर प्रभाव पड़ रहा है। अध्ययन कुड्डालोर जिले में 1000 छात्रों पर सर्वेक्षण पद्धति द्वारा किया गया जिसमें प्रश्नावली विकसित की गई और छात्रों को दी गई। छात्रों के IX और X कक्षा के अंकों का विश्लेषण करके सांख्यिकीय तकनीक लागू की गई जिसमें प्रतीत हुआ कि 35 प्रतिशत छात्र सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करते हैं। निष्कर्ष में पाया गया कि सोशल मीडिया छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को प्रभावित करती है, परन्तु शैक्षणिक उपलब्धि और सोशल मीडिया के प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए सोशल मीडिया का उपयोग शिक्षण और सीखने के उपकरण के रूप में करके छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को और अधिक बेहतर बनाया जा सकता है।

त्रिपाठी, अशीलता (2021) ने इंटरनेट उपयोगकर्ता और गैर उपयोगकर्ता छात्रों की भावनात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक समझ तथा उनका अपने साथियों के साथ संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन किया शोध कार्य में सर्वेक्षण विधि के माध्यम से न्यादर्श का चयन किया गया। जिसमें 300 इंटरनेट उपयोगकर्ताओं तथा 100 गैर इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के मध्य तुलनात्मक अध्ययन किया और पाया कि इंटरनेट

उपयोगकर्ताओं का सामाजिक व्यवहार गैर इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की तुलना में उच्च है। इंटरनेट उपयोगकर्ता छात्रों की तुलना में इंटरनेट उपयोगकर्ता छात्राओं की सामाजिक समझ कम पायी गयी।

कौर, यशप्रीत (2022) किशोरों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता की व्यापकता और सामाजिक जुडाव और शैक्षणिक प्रदर्शन के साथ इसका संबंध अध्ययन के निष्कर्षों ने डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता और सामाजिक जुड़ाव के बीच एक नकारात्मक संबंध का भी संकेत दिया। परिणामों से यह भी पता चला कि इंटरनेट निर्भरता और सामाजिक जुडाव, सोशल मीडिया निर्भरता और सामाजिक जुडाव, डिजिटल गेम निर्भरता और सामाजिक जुडाव, स्मार्टफोन निर्भरता और सामाजिक जुड़ाव के बीच एक नकारात्मक संबंध था।

मोनिका (2022) मानसिक स्वास्थ्य जीवन कौशल आध्यात्मिक बुद्धि मनोवैज्ञानिक दृढ़ता और कॉलेज के छात्रों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग अध्ययन के परिणामो से पता चला कि कॉलेज के छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य का जीवन कौशल, आध्यात्मिक बुद्धि, मनोवैज्ञानिक दृढता और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के साथ 0.01 के स्तर पर महत्वपूर्ण संबंध था, जबकि मानसिक स्वास्थ्य, जीवन कौशल, आध्यात्मिक में महत्वपूर्ण अंतर पाया गया। पुरुष और महिला कॉलेज छात्रो की बुद्धिमता और मनोवैज्ञानिक दृढ़ता जबकि पुरुष और महिला कॉलेज छात्रों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया।

सैनी, नवनीत और मीर, सजाद (2023). ने अपने शोध में ''सोशल मीडिया : उपयोग और शिक्षा पर प्रभाव'' पर विश्लेषण किया है। उनके अनुसार सोशल मीडिया आधुनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुकी है जो शिक्षा सहित समाज के विभिन्न पहलुओं पर प्रभावित हो रही है। छात्र और शिक्षक फेसबुक, ट्विटर एवं इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हैं जिससे उनके बीच बातचीत, सीखने के तरीके एवं शैक्षिक अनुभव में विस्तृत परिवर्तन आ रहा है। यह भी पाया गया कि सोशल मीडिया के लत लगने वाले प्रभाव छात्रों के ध्यान और उत्पादकता पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। परन्तु उसका उपयोग शिक्षण के पारंपरिक तरीके को नया विकास देता है जो छात्रों को अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रदान करता है। इसलिए शिक्षकों के लिए आवश्यक है कि वे सोशल मीडिया के लाभों को उपयोग में लाते हुए छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रयास करते रहे और उसके दुष्ड्डत प्रभावों को भी घोरते रहे।

आधारभूत निष्कर्ष

- शिक्षक, शिक्षिकाओं की तुलना में अधिक आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग करते हैं। शिक्षकों की जागरूकता और उपयोग सामान्य स्तर पर है।
- अधिकांश छात्र शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए सोशल मीडिया का सकारात्मक उपयोग करते हैं।
- सोशल मीडिया का उपयोग शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बना सकता है, लेकिन इसकी लत शैक्षणिक ध्यान और उत्पादकता को प्रभावित करती है।
- इंटरनेट उपयोगकर्ताओं का सामाजिक व्यवहार बेहतर है। छात्राओं की तुलना में छात्रों की सामाजिक समझ अधिक पाई गई।
- सोशल मीडिया ने शिक्षा में पारंपरिक तरीकों को बदला है। यह त्वरित संचार और सहयोग में मदद करता है, लेकिन गोपनीयता और ध्यान भंग जैसी चुनौतियाँ पेश करता है।
- डिजिटल प्रौद्योगिकी निर्भरता का सामाजिक जुड़ाव पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
- इंटरनेट, सोशल मीडिया, गेम्स, और स्मार्टफोन की निर्भरता भी सामाजिक जुड़ाव को कमजोर करती है।

शिक्षा के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयास–

भारत में शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। डिजिटल युग में शिक्षा को अधिक सुलभ और समावेशी बनाने के उद्देश्य से, इन प्रयासों में निम्नलिखित पहल शामिल हैंरू

1. केंद्र सरकार के प्रयास:

1- **DIKSHA (Digital Infrastructure for Knowledge Sharing):**

यह प्लेटफॉर्म शिक्षकों और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक सामग्री प्रदान करता है। यह ऐप और वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध है, जिसमें ई–कंटेंट, वीडियो लेक्चर और प्रश्नोत्तरी शामिल हैं।

2. SWAYAM (Study Webs of Active & Learning for Young Aspiring Minds):

यह एक ऑनलाइन शिक्षा प्लेटफॉर्म है, जो मुफ्त ऑनलाइन कोर्स और व्याख्यान प्रदान करता है। यह सोशल मीडिया पर भी प्रचलित है और छात्रों को नई जानकारियां साझा करने में मदद करता है।

3. NPTEL (National Programme on Technology Enhanced Learning):

इंजीनियरिंग और तकनीकी छात्रों के लिए यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया और यूट्यूब के माध्यम से कंटेंट प्रदान करता है।

4. MyGov अभियान:

यह प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए छात्रों और शिक्षकों को शैक्षणिक पहलुओं पर जुड़ने और सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देने में मदद करता है।

2. राज्य सरकारों के प्रयास :

1. **ई–पाठशालाएं और यूट्यूब चैनलः**

   कई राज्य सरकारें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे यूट्यूब का उपयोग कर रही हैं। राजस्थान की ''राजस्थान ई–कंटेंट'' और दिल्ली की ''दिल्ली एजुकेशन चैनल'' जैसी पहलों ने छात्रों तक गुणवत्तापूर्ण सामग्री पहुंचाई है।

2. **हाट्सएप और फेसबुक समूहों का उपयोग:**

   कई राज्य सरकारें शिक्षकों और छात्रों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए व्हाट्सएप और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही हैं।

3. **मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन क्लासेस :**

   मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केरल जैसे राज्यों ने सरकारी स्कूलों के लिए मोबाइल ऐप्स लॉन्च किए हैं, जहां छात्रों को ऑनलाइन कक्षाएं और शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराई जाती है।

3. सामूहिक प्रयास :

1. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 :**

   इस नीति में डिजिटल शिक्षा को प्राथमिकता दी गई है और सोशल मीडिया के माध्यम से शिक्षा को लोकप्रिय बनाने के लिए दिशा–निर्देश दिए गए हैं।

2. **डिजिटल इंडिया अभियान :**

   सरकार ने सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीकों का उपयोग कर शैक्षिक संसाधनों को अधिक सुलभ बनाने का प्रयास किया है।

शोध की प्रासंगिकता

माध्यमिक शिक्षा किसी भी छात्र के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है। यह वह समय होता है जब छात्र न केवल अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को निर्धारित करते हैं, बल्कि अपने भविष्य के करियर के लिए भी बुनियाद रखते हैं। ऐसे में, सोशल मीडिया के प्रभाव को समझना और उसका सही उपयोग सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जहां कुछ अध्ययनों ने सोशल मीडिया को शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में देखा है, वहीं अन्य ने इसे शैक्षणिक प्रदर्शन में गिरावट के एक प्रमुख कारण के रूप में चिह्नित किया है। इस शोध का उद्देश्य इन दोनों दृष्टिकोणों का समीक्षात्मक विश्लेषण करना और यह समझना है कि सोशल मीडिया का माध्यमिक स्तर के छात्रों पर समग्र रूप से क्या प्रभाव पड़ता है।

परिणाम और व्याख्या

शोध के उद्देश्य 1. सोशल मीडिया के उपयोग तथा शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध का अध्ययन करना।

शोध प्रश्न 1. सोशल मीडिया उपयोग माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षणिक प्रदर्शन को कैसे प्रभावित करता है?

साहित्य समीक्षा

त्रिवेदी, निकीता (2011) ने महाविद्यालयी विद्यार्थियों में राष्ट्रीय जागरूकता, राजनैतिक चेतना पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रभाव का अध्ययन विषय पर शोध किया। जिसका उद्देश्य महाविद्यालयी विद्यार्थियों पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना था, जिसमें राजस्थान राज्य के पाँच जिले दौसा, सीकर, जयपुर, भरतपुर और अलवर के कुल 500 विद्यार्थियों को न्यादर्श के रूप में लिया गया। इसमें स्वनिर्मित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मापनी का प्रयोग किया गया। इस शोध से निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि महाविद्यालयी विद्यार्थियों पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पड़ने वाले प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

इसके साथ ही कला संकाय के छात्र एवं छात्राओं पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रभाव में अन्तर पाया गया जबकि विज्ञान संकाय के छात्र एवं छात्राओं पर नही। छात्राओं की अपेक्षा छात्रों पर इसका अधिक प्रभाव देखा गया। यह पाया गया कि विद्यार्थियों पर सामाजिक राजनैतिक सन्देश एवं जागरूकता सम्बन्धी आयाम में कोई अन्तर नहीं हैं जबकि शिक्षा, मनोरंजन, प्रचार सम्बन्धी आयामों में अन्तर पाया गया।

शर्मा सूरज और सुनीता गोडियाल (2016) ने अपने अध्ययन श्ए स्टडी ऑन द सोशल नेटवर्किंग साइट यूजेज बाई अंडरग्रेजुएट स्टूडेंट्सश में पाया कि अधिकतर स्नातक में अध्ययन करने वाले विद्यार्थी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग करते हैं। अधिकतर छात्र फेसबुक का प्रयोग करते हैं जबकि अधिकतर छात्राएं व्हाट्सएप का प्रयोग करती हैं। अधिकतर विद्यार्थी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग स्मार्टफोन और लैपटॉप पर करते हैं। बहुत ही कम विद्यार्थी सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग टेबलेट पर करते हैं। अधिकतर छात्रों का मानना है कि वह सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग मनोरंजन के एक साधन के रूप में करते हैं जबकि छात्राओं का मानना है कि वह शिक्षा के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करती हैं। जहां छात्रों के लिए सोशल नेटवर्किंग साइट्स मित्रों से जुड़े रहने का महत्वपूर्ण माध्यम है वही छात्राएं मानती हैं कि सोशल नेटवर्किंग साइट्स की मदद से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी तथा अपने ज्ञान को दूसरे से आसानी से शेयर किया जा सकता है।

शोध के उद्देश्य 2. सोशल मीडिया के उपयोग का शैक्षणिक उपलब्धियो पर पढ़ने वाले सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव का ध्यान

शोध प्रश्न 2. सोशल मीडिया का शैक्षणिक उपलब्धियों पर क्या सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव हैं?

साहित्य समीक्षा

सक्सेना (कुलश्रेष्ठ), रचना (2016), वर्तमान में भारतीय युवाओं एवं बच्चों पर मीडिया का प्रभाव इस शोध के अनुसार मीडिया सहित सोशल मीडिया का प्रभाव 14 से 6 वर्ष एवं 17 से 26 वर्ष के युवाओं पर सर्वाधिक पड़ता हैं। यह प्रभाव सकारात्मक और नकारात्मक दोनों रूपों में है। सकारात्मक रूप से विचार अभिव्यक्ति की अबाध आजादी, जिज्ञासा शांत करने, ज्ञान में वृद्धि करने जैसे कार्य यह कर रहा है, किंतु घण्टों तक सोशल मीडिया पर समय व्यतीत करने से युवाओं में सोशल मीडिया का नशा होता जा रहा है। अश्लील तथा उत्तेजक सामग्री के प्रसारण से इनमें चरित्र का हनन हो रहा है। पश्चिमी सभ्यता को अपनाने एवं अपनी संस्कृति को छोड़ने की प्रवृद्धि भी देखी जा रही हैं। एकाग्रता की कमी, डिप्रेशन, अनिद्रा जैसी समस्याएँ सोशल मीडिया के कारण बढ़ रही है।

वासनिक, हेमलता बोरकर (2020) ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर सोशल मीडिया के प्रभाव के अध्ययन में पाया कि आज का युग सोशल मीडिया का युग है। इस मीडिया ने पूरे भारतीय समाज पर प्रभाव डाला है। इस प्रभाव से बच्चे भी अछूते नहीं हैं। आज के बच्चों की सुबह कार्टून चौनल से प्रारंभ होती है एवं रात भी कार्टून चौनल से समाप्त होती है। बच्चे अपने माता–पिता, नाना–नानी, दादा दादी, मामा मामी या परिवार के अन्य सदस्यों के साथ समय बिताने की अपेक्षा कार्टून चौनल के साथ समय बिताना पसंद कर रहे हैं। कार्टून चौनल पर दिखाए जाने वाले एपिसोड ने उनके व्यवहार एवं नैतिकता को बुरीतरह से प्रभावित किया है। इन चौनल के कारण इनके व्यक्तित्व का विकास भी अवरुद्ध हो रहा है।

गुप्ता, शिवानन्द (2015) ने आधुनिक जनसंचार के माध्यमों से किशोरों की आपराधिक प्रवृत्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन किया। जिसमें जनसंचार के आधुनिक माध्यमों समाचार पत्र, टेलीविजन एवं इण्टरनेट से किशोरों पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया। अध्ययन वर्णात्मक सर्वेक्षण विधि पर आधारित था। प्रस्तुत अध्ययन में गाजीपुर जनपद के यू०पी० बोर्ड एवं सी०बी०एस०सीई० बोर्ड के कक्षा 12 के विद्यार्थियों को लिया गया। इसमें जनसंचार माध्यम परिपृच्छा सूची एवं आपराधिक प्रवृत्ति अभिमतावली का प्रयोग किया गया।

आंकड़ों के विश्लेपण हेतु टी परीक्षण व एफ परीक्षण द्वारा मध्यमानों के अन्तर की सार्थकता ज्ञात की गयी और पाया कि जनसंचार के माध्यम (समाचार पत्र. टेलीविजन व इन्टरनेट) किशोरों की आपराधिक प्रवृत्ति को समान रूप से प्रभावित करते है। जो उनके अन्दर

आपराधिक प्रवृत्ति विकसित करने में सहयोग प्रदान करते हैं। इसके साथ ही शिक्षा, रोजगार, मनोरंजन, ईमेल, समाचार तथा सोशल नेटवर्क, साइट्स की अपेक्षा आपराधिक खबरों से युक्त इण्टरनेट साइड्स किशोरो में हिंसा, बेईमानी, लोम, प्रतिशोध, अभद्र व्यवहार, ट्रेप तथा असन्तोप की प्रवृत्ति को तुलनात्मक रूप से ज्यादा प्रभावित करते हैं।

शोध के उद्देश्य 3. सोशल मीडिया उपयोग तथा शैक्षणिक उपलब्धि के मध्य संबंध को प्रभावित करने वाले कारकों का पता लगाना।

शोध प्रश्न 3. कौन– कौन से कारक सोशल मीडिया उपयोग और शैक्षणिक उपलब्धि के बीच संबंध को प्रभावित करते हैं?

साहित्य समीक्षा

कविया, हेमलता कॅवर (2012) ने इलैक्ट्रॉनिक मीडिया एवं बाल समाज एक समाजशास्त्रीय अध्ययन विषय पर शोध कार्य किया। इस हेतु न्यादर्श के रूप में जयपुर शहर के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों के 200 छात्र एवं 200 छात्राओं पर अध्ययन किया और पाया कि अधिकतर बालक कम्प्यूटर और इण्टरनेटध्सोशल साइट का प्रयोग अकेले या अपने दोस्तों के साथ करना चाहते हैं। इसमें ज्यादातर बच्चे कम्प्यूटर का गलत प्रयोग करते हैं। बालक इसका फायदा उठाकर कभी–कभी पोर्नोग्राफी विलप्स देखते हैं। इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। टी०वी० के सामने बैठकर खाना खाने और होमवर्क करने से कम आयु में बच्चों को नजर के चश्मे एवं सिर दर्द जैसी समस्या होती है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कारण किशोर समय से पूर्व युवा हो रहे है और यौन ज्ञान प्राप्त करते है। इससे उनकी शैक्षिक उपलब्धि प्रभावित हो रही है और मूल्यों का ह्रास हो रहा है।

आनन्द, विक्रम (2019) ने माध्यमिक स्तर के हिन्दी अध्यापकों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता एवं अध्यापक की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययन किया। जिसके उद्देश्य हिन्दी अध्यापकों के सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ष्ब्ज) के प्रति जागरूकता के स्तर को जानना था। प्रस्तुत शोध में वर्णात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया। जनसंख्या के रूप में वाराणसी जनपद के केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा एवं यू०पी० बोर्ड के सरकारी एवं निजी विद्यालयों के हिन्दी का अध्यापन करने वाले शिक्षकों को लिया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में दो स्वनिर्मित उपकरणों का प्रयोग किया गया (1) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी जागरूकता प्रश्नावली एवं (2) शिक्षण प्रभावशीलता मापनी। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मानक विचलन, माध्य टी–परीक्षण तथा प्रतिशत विश्लेषण का प्रयोग किया गया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश हिन्दी अध्यापक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का औसत ज्ञान रखते है और उनकी शिक्षण प्रभावशीलता औसत स्तर की है। अतः शिक्षकों को सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रति अधिक जागरूकता रखने की आवश्यकता है।

उपसंहार

सोशल मीडिया के प्रभावों पर आधारित इस अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ है कि आज के डिजिटल युग में यह एक बहुत महत्वपूर्ण तथा प्रभावी शैक्षणिक उपकरण बन चुकी है। यह माध्यमिक स्तर के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों में अधिकांश प्रभावात्मक विकास और चुनौतियाँ दोनों ही तरीके से प्रभावित कर रही है। एक ओर सोशल मीडिया द्वारा छात्रों के जीवन में जानकारी एवं जागरूकता की क्षमता बढ़ती है, उन्हें विद्यालय के बाहर के युवाओं, शिक्षकों और सूचना संवाद के विस्तार तक पहुंचाया जा रहा है, दूसरी ओर इसके अनियंत्रित और अत्यधिक उपयोग के परिणामस्वरूप उनके ध्यान का बाधा होना, मानसिक स्वास्थ्य में विकल्प, अनुचित तकनीकों की भूमिका और अनुचित तरह की जानकारी तक आगामी है।

अध्ययन से यह भी स्पष्ट हुआ कि शिक्षकों की तुलना में शिक्षिकाओं के परिक्षान और शैक्षिक प्रयोग में अधिक आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग करते हैं। छात्र भी अपने जीवन के मानसिक तथा विज्ञानीय विकास में सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं। इनके लिए फेसबुक, इंटरनेट, स्मार्टफोन और गेम्स जैसे प्लेटफॉर्म बहुत आवश्यक आयोग बन चुके हैं जो उनके जीवन में सफल और अंग्रेजी जानकारी का विस्तृत सुप्रेक्ष बना रहे हैं। परन्तु यह भी स्पष्ट हुआ कि यदि छात्र सोशल मीडिया के उपयोग में कुछ नवीनतम यात्राओं का चयन करते हैं तो उनका ध्यान भंग होता है, उत्पादकता कम होती है और मानसिक स्वास्थ्य में भी गोपनीयता बना सकती है।

इसलिए शोध का मुख्य निष्कर्ष है कि सोशल मीडिया को माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए शिक्षा के उपयोग में और अधिक प्रयोग में लाया जाना चाहिए, परन्तु उसके सकारात्मक लाभों के साथ–साथ उनके नकारात्मक प्रभावों को भी ध्यान में रखना बहुत ही आवश्यक है। शिक्षकों के लिए यह आवश्यक है कि वे छात्रों को सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए उनके जीवन में मानसिक, वैश्विक एवं शैक्षिक समुचितता का संग्रह करने में सहायता करें।

सुझाव

- सोशल मीडिया ने छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में एक नया रूप दिया है जो उनके जीवन में बहुत कुछ वृद्धि लेकर आया है।
- यह उपयोगी है और छात्रों को जानकारी, सीखने का तरीका, और शिक्षक–छात्र संबंध में विस्तृत परिवर्तन देता है।
- इस का उपयोग कुछ समय के लिए उत्तरदायित्व बनाता है परन्तु अत्यधिक और अनियंत्रित उपयोग शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा बना देता है।
- सोशल मीडिया का उपयोग सही प्रयोजन, रणनीति एवं मानसिक स्वास्थ्य के दृष्टिगत ही प्रभावी हो सकता है।

उसी प्रकार, इस अध्ययन का परिणाम है कि ''सोशल मीडिया माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए एक आवश्यक और सभी रूपों में प्रभावी शैक्षणिक उपकरण है, जिसका उपयोग उचित एवं समान मार्ग पर करना ही उनके जीवन और शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रभावी बना सकता है।''

संदर्भ (Reference)

[1]. शिवकुमार, आर. (2020). छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन, कुड्डालोर : सर्वेक्षण पद्धति आधारित अध्ययन।

[2]. त्रिपाठी, अशीलता (2021). इंटरनेट उपयोगकर्ता और गैर उपयोगकर्ता छात्रों की भावनात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक समझ एवं संबंध का तुलनात्मक अध्ययन, विश्वविद्यालय।

[3]. कौर, यशीत (2022). डिजिटल प्रौद्योगिकी पर निर्भरता की व्यापकता एवं उसके सामाजिक जुड़ाव और शैक्षणिक प्रदर्शन पर प्रभाव, शोध एवं अध्ययन।

[4]. मोनिका (2022). मानसिक स्वास्थ्य जीवन कौशल आध्यात्मिक बुद्धि, मनोवैज्ञानिक दृढ़ता एवं कॉलेज छात्रों के बीच डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग : एक अध्ययन, शोध पत्रिका।

[5]. सैनी, नवनीत और मीर, सजाद (2023). सोशल मीडिया : उपयोग और शिक्षा पर प्रभाव, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, दुनिया।

[6]. भोला, पी. एल. (2021)– शिक्षा में सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन, प्राथमिक शिक्षा, नई दिल्ली।

[7]. तिवारी, रामपाल (2018)– सोशल मीडिया और छात्रों का शैक्षणिक विकास, भारतीय शिक्षा अध्ययन पत्रिका, पटना।

[8]. चौबे, महेन्द्र सिंह (2020)– सोशल मीडिया : एक आधुनिक शिक्षा व्यावहारिक, भारतीय शिक्षा पत्रिका, गुवाहाटी।

[9]. सिंह, के0 पी0 (2022)– सामाजिक परिवर्तन और सोशल मीडिया का प्रभाव, भारतीय शिक्षा मामला, मुजफ्फरपुर।

[10]. खरे, एस. एस. (2019)– सोशल मीडिया और शिक्षा की कुछ विशेषताएं, प्राथमिक शिक्षा, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान।

[11]. जैन, एल. के. (2021)– शिक्षा एवं समाज में सोशल मीडिया का उपयोग, भारतीय शिक्षा बोर्ड पत्रिका, दिल्ली।

[12]. मुक्त, कुमार सिंह (2017)– सोशल मीडिया और छात्रों में शैक्षणिक प्रदर्शन, भारतीय शिक्षा मामला, भोपाल।

[13]. सुन्दर, आर. एम. (2023)– शिक्षा में इंस्टीट्यूट मीडिया और सोशल मीडिया का उपयोग, शिक्षा एवं मनोविज्ञान पत्रिका, जम्मू।

[14]. मिश्रा, मनीष सिंह (2020)– सोशल मीडिया और शिक्षा : एक समीक्षा, भारतीय शिक्षा, राज0 विश्वविद्यालय, शहदुर।

[15]. कपूर, सुनील (2022)– शिक्षा और सोशल मीडिया : विशेष आधार, शिक्षा, भारतीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली।

[16]. श्रीवास्तव, मोहन (2018)– छात्रों के शिक्षा पर सोशल मीडिया का प्रभाव, भारतीय विज्ञान पत्रिका, आगरा।

[17]. सिंह, सुभाष (2021)– सोशल मीडिया और शिक्षा में चुनौतियाँ, प्राथमिक शिक्षा, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, अम्बेडकर।

[18]. त्रिवेदी, निकीता (2011). महाविद्यालयी विद्यार्थियों में राष्ट्रीय जागरूकता, राजनैतिक चेतना पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रभाव का अध्ययन. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर.

[19]. शर्मा सूरज एंड सुनीता गोडियाल, ष् स्टडी ऑफ सोशल नेटवर्किंग साइट्स यूजेज बाई अंडर ग्रेजुएट स्टुडेंट्सष ऑनलाइन इंटरडिस्प्लीनरी रिसर्च जर्नल वैल्यूम.6, इश्यू. 3, (2016).

[20]. सक्सेना, रचना (कुलश्रेष्ठ), वर्तमान में भारतीय युवाओं एवं बच्चों पर मीडिया का प्रभाव एक विवेचना, शोध संचयन, भाग 7, अंक 1–2 15 जनवरी–15 जुलाई 2016

[21]. वासनिक, हेमलता बोरकर (2020). बच्चों के व्यक्तित्व विकास पर सोशल मीडिया के प्रभाव के अध्ययन. पी–एच०डी० पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर.

[22]. गुप्ता, शिवानन्द (2015). आधुनिक जनसंचार के माध्यमों से किशोरों की आपराधिक प्रवृत्ति पर पड़ने वाले प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन. पी–एच०डी० शोध प्रबंध, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस.

[23]. कविया, हेमलता कॅवर (2012). इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं बाल समाज एक समाजशास्त्रीय अध्ययन, पी–एच०डी० शोध प्रबंध, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर. कालिया, रवीन्द्र (2010). इलेक्ट्रानिक मीडिया की चुनौतियाँ. भारतीय ज्ञानपीठ.

[24]. आनन्द, विक्रम (2019). माध्यमिक स्तर के हिन्दी अध्यापकों में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता एवं अध्यापक की शिक्षण प्रभावशीलता का अध्ययनҁ पी–एच०डी० बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस.

Cite this Article:

अनुभव कुमार, सुनीलिमा. (2026). माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षणिक उपलब्धियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव: एक समीक्षात्मक अध्ययन, 2(5), 1–8.

Journal URL: *https://ijhce.com/* ***DOI:*** *https://doi.org/10.59828/ijhce.v2i5.52*